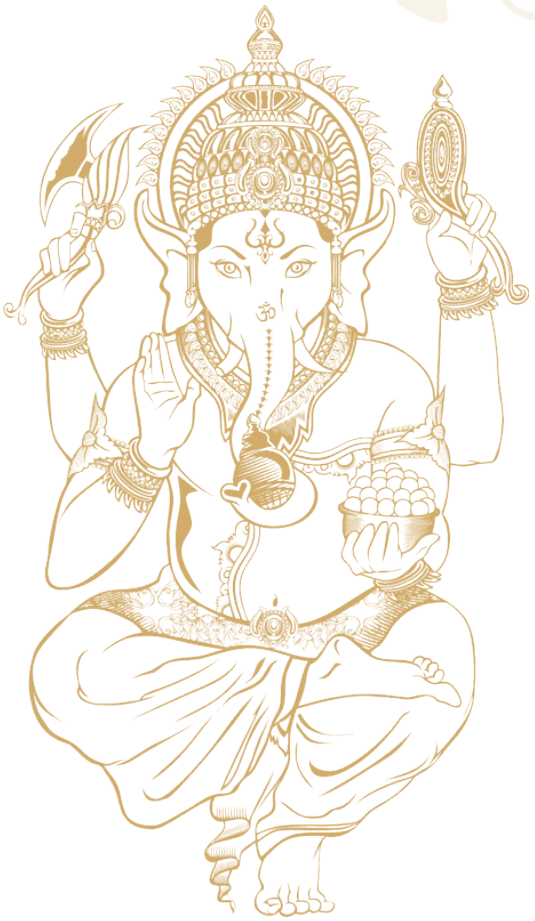

Ajitsingh

Veena

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121254702

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
10-11/12/1997	जन्म तिथि	26/04/2001
बुध-गुरुवार	दिन	गुरुवार
घंटे 03:45:00	जन्म समय	13:35:00 घंटे
घटी 52:02:16	जन्म समय(घटी)	19:03:10 घटी
India	देश	India
Indore	स्थान	Khargone
22:42:00 उत्तर	अक्षांश	21:49:00 उत्तर
75:54:00 पूर्व	रेखांश	75:39:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:24	स्थानिक संस्कार	-00:27:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:56:05	सूर्योदय	05:59:45
17:42:40	सूर्यास्त	18:51:03
23:49:37	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:13

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 19वर्ष 9मा 20दि		12:03:03	तुला	लग्न	सिंह	00:34:55	चन्द्र 5वर्ष 8मा 26दि	
चन्द्र		25:04:26	वृश्चि	सूर्य	मेष	12:17:03	राहु	
02/10/2023		13:27:43	मेष	चंद्र	वृष	15:40:47	21/01/2014	
01/10/2033		00:26:40	मक	मंगल	धनु	03:49:17	22/01/2032	
चन्द्र	01/08/2024	08:35:44	धनु व	बुध	मेष	15:42:44	राहु	04/10/2016
मंगल	02/03/2025	24:21:49	मक	गुरु	वृष	18:38:18	गुरु	27/02/2019
राहु	01/09/2026	05:31:06	मक	शुक्र	मीन	08:18:04	शनि	03/01/2022
गुरु	01/01/2028	19:44:06	मीन व	शनि	वृष	06:46:57	बुध	23/07/2024
शनि	01/08/2029	21:06:06	सिंह व	राहु व	मिथु	14:13:43	केतु	10/08/2025
बुध	01/01/2031	21:06:06	कुंभ व	केतु व	धनु	14:13:43	शुक्र	10/08/2028
केतु	02/08/2031	12:15:13	मक	हर्ष	कुंभ	00:31:03	सूर्य	05/07/2029
शुक्र	02/04/2033	04:24:01	मक	नेप	मक	14:50:53	चन्द्र	03/01/2031
सूर्य	01/10/2033	12:09:44	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	21:00:19	मंगल	22/01/2032

लग्न-चलित

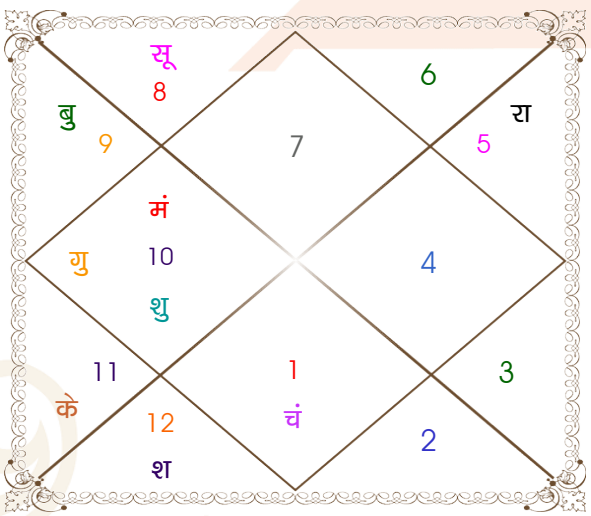

लग्न-चलित

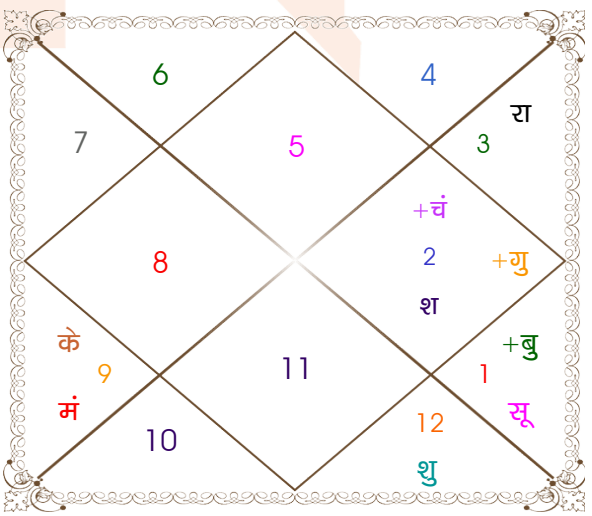

श्री संकटमोचन ज्योतिष केंद्र
नरसिंह मंदिर,कलाल घाट,तोड़ा,सांवेर(जिला)इंदौर
वैदिक पंडित पंकज मंडलोई ज्योतिष आचार्य
+91 9893119214
pandit11317@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

।रपजेपदही का वर्ग मृग है तथा टममदं का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ।रपजेपदही और टममदं का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

।रपजेपदही मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल ।रपजेपदही कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु ।रपजेपदही कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

टममदं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु टममदं कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

।रपजेपदही तथा टममदं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।